

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

FOR IMMEDIATE RELEASE

PRESS NOTE: G/3/2018-19

9th May 2018

BIS Organises CxO Forum 'India's Digital Transformation through Standardisation'

BIS, the National Standards body of India organized a CxO Forum on "Standardizing the Digital Space" on 8 May, 2018 at Hotel Hyatt, New Delhi to deliberate on the key issues and challenges in the Digital space. The forum explored the opportunities, growth and challenges in standardising the digital space, in the presence of Union & State Ministers and CEOs/CXOs of various top IT companies. The one-of-its kind platform also had presence of dignitaries, luminaries and experts from over 35 different countries to discuss a number of key issues pertaining to the future of the IT sector in India.

The key note address was delivered by Mr Ravi Shankar Prasad, Hon'ble Minister, Law and Justice and Minister of Electronics and IT. In his address Shri Prasad highlighted rapid growth in e- Transactions, IT exports and revenue of Indian IT companies; which in turn is strengthening the digital profile of India. He stressed upon the importance of standards in the digital space and congratulated BIS for taking up the leadership role of "ISO/IEC JTC1/SC7" which is responsible for developing foundational standards of software and systems engineering.

He further added that Standards should be formulated in a manner that it lays down the compliance criteria, facilitates smooth and cost effective operation thereby enabling of digital inclusion.

Speaking on the occasion, Hon'ble C. R. Chaudhary, Minister of State of the Department of Consumer Affairs, Food and Public Distribution applauded BIS for its marked presence in the International standardisation through its active participation in the Standardisation work undertaken by ISO & IEC.

Shri Amitabh Kant, CEO of the NITI Aayog opined that digital standardization needs constant evolution and ensures they do not stagnate.

Earlier, Ms Surina Rajan, Director General, BIS in her welcome speech highlighted the standardization efforts being made by BIS in the emerging technological areas like AI, IoT, Big data, Blockchain etc. Ms Rajan mentioned that "Standardizing the Digital Space" is an initiative by BIS to bring the technocrats and tech-entrepreneurs in the country and global experts on the same platform to discuss and deliberate on the key issues and challenges that need to be overcome in the journey of Digital transformation and also to discuss the role of standards and regulations in "Scripting the future of IT".

Industry stalwarts including Mr. Raman Roy, Chairman and MD of Quatrro Global Services, Mr. Saurabh Srivastava, Co- Founder, Indian Angel Network, Mr. Raj Kumar Rishi, MD, Xerox India, Dr. Alec Dorling, ISO/IEC JTC 1/WG 10 Convener and Prof. Diwakar Vaish Founder, A-SET Robotics, participated in the riveting panel discussion on harnessing emerging 'Digital Technologies' to propel growth. The panel discussion reiterated that standards played a pivotal role in not only ensuring better digital safety, but also digitally empower the customer and improve the overall user experience.

The event was organised to highlight the role of standardisation and invite participation in Standards Formulation for IT Sector. This event is in line with the 33rd plenary and working group meetings of JTC 1/SC 7 being hosted by BIS from 6th to 11th May 2018 where experts from more than 35 different countries are participating.

तत्काल रीलीज के लिए

प्रेस नोट: जी/3/2018-19

9 मई 2018

बीआईएस द्वारा सीएक्सओ फोरम का आयोजन

‘मानकीकरण के माध्यम से भारत का डिजिटल रूपांतरण’

भारत के राष्ट्रीय मानक निकाय, भारतीय मानक ब्यूरो ने “डिजिटल स्पेस को मानकीकृत करने” पर डिजिटल स्पेस के महत्वपूर्ण मुद्दों और चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए दिनांक 8 मई, 2018 को होटल हयात, नई दिल्ली में सीएक्सओ फोरम का आयोजन किया। इस फोरम ने केन्द्रीय तथा राज्य मंत्रियों और विभिन्न सर्वोच्च आईटी कंपनियों के सीईओ/सीएक्सओ की उपस्थिति में डिजिटल स्पेस मानकीकरण में अवसरों, वृद्धि तथा चुनौतियों का पता लगाया। अपनी तरह के इस अनूठे मंच पर भारत में आईटी क्षेत्र से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में चर्चा करने के लिए 35 से अधिक विभिन्न देशों से गणमान्य व्यक्ति, दिग्गज तथा विशेषज्ञ भी उपस्थित थे।

मुख्य अभिभाषण माननीय विधि तथा न्याय एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद ने दिया। अपने अभिभाषण में श्री प्रसाद ने कहा कि ई-लेनदेन, आईटी निर्यात और भारतीय आईटी कंपनियों के राजस्व में तीव्र वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप भारत की डिजिटल प्रोफाइल सुदृढ़ हुई है। उन्होंने डिजिटल स्पेस में मानकों के महत्व पर बल दिया और बीआईएस को “आईएसओ/आईईसी-जीटीसी 1/एससी 7” में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए बधाई दी। यह समिति सॉफ्टवेयर और सिस्टम इंजीनियरिंग के बुनियादी मानकों के विकास के लिए उत्तरदायी है।

उन्होंने यह और बताया कि मानक इस तरह निर्धारित किए जाएं, जिनमें अनुपालन के मानदंड निर्धारित हो, जो डिजिटल समावेशन को सक्षम बनाते हो और सुगम तथा लागत प्रभावी प्रचालन करने में सक्षम हो।

इस अवसर पर बोलते हुए, माननीय उपभोक्ता मामले विभाग, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री श्री सी.आर. चौधरी ने आईएसओ तथा आईईसी द्वारा किए जा रहे मानकीकरण कार्य में बीआईएस की सक्रिय सहभागिता के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण में अपनी उपस्थिति दर्ज करने के लिए बीआईएस की सराहना की।

नीति आयोग के सीईओ श्री अमिताभ कांत ने बताया कि डिजिटल मानकीकरण में सतत विकास की आवश्यकता है और यह सुनिश्चित करना होगा कि ये निष्क्रिय ना हो।

इससे पहले, श्रीमती सुरीना राजन, महानिदेशक, बीआईएस ने अपने स्वागत भाषण में एआई, आईओटी, बिग डाटा, ब्लॉकचेन, इत्यादि जैसे उभरते नए प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में बीआईएस द्वारा मानकीकरण के लिए किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला। श्रीमती राजन ने बताया कि “डिजिटल स्पेस को मानकीकृत करना”

बीआईएस द्वारा देश में और वैश्विक विशेषज्ञों एवं तकनीकी उद्यमियों को एक ही मंच पर ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दों और चुनौतियों पर चर्चा करने और विचार-विमर्श करने की एक पहल है, जिसमें डिजिटल रूपांतरण की यात्रा करने और “आईटी का भविष्य अंकित करने” में मानकों तथा विनियमों की भूमिका पर चर्चा की आवश्यकता है। श्री रमन रॉय, क्वाट्रो ग्लोबल सर्विसिज के चेयरमैन एवं एमडी, श्री सौरभ श्रीवास्तव, सह-संस्थापक, इंडियन एन्जल नेटवर्क, श्री राज कुमार ऋषि, एमडी, जेरोक्स इंडिया, डॉ. एलैक डोरलिंग, आईएसओ/आईईसी जेटीसी 1/इब्ल्यूजी 10 के संयोजक और प्रो. दिवाकर वैश्य फाउंडर, ए-सेट रोबोटिक्स, सहित उद्योगों के दिग्गजों ने उभरती “डिजिटल प्रौद्योगिकियों” की वृद्धि में तेजी लाने के लिए रुचिकर पैनल चर्चा में भाग लिया। पैनल चर्चा में पुनः इस पर बल दिया गया कि मानक न केवल डिजिटल सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, अपितु ग्राहक को डिजिटल रूप में सशक्त बनाते हैं, और उपयोगकर्ता के समग्र अनुभव में सुधार करते हैं।

यह कार्यक्रम आईटी क्षेत्र में मानकीकरण की भूमिका और मानक निर्धारण में सहभागिता आमंत्रित करने के लिए आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम 6 से 11 मई 2018 तक बीआईएस द्वारा आयोजित किए जा रहे जेटीसी 1/एससी 7 के 33 वें प्लेनरी एवं कार्यसमूह की बैठकों के अनुक्रम में आयोजित किया गया, जिसमें 35 से अधिक विभिन्न देशों के विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं।





THE DIGITAL CODE

Scripting the Future of IT

IN ASSOCIATION WITH



&





THE DIGITAL CODE

Scripting the Future of IT

IN ASSOCIATION WITH



&

CNN NEWS 18

